भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर

एक नज़र में - 2024

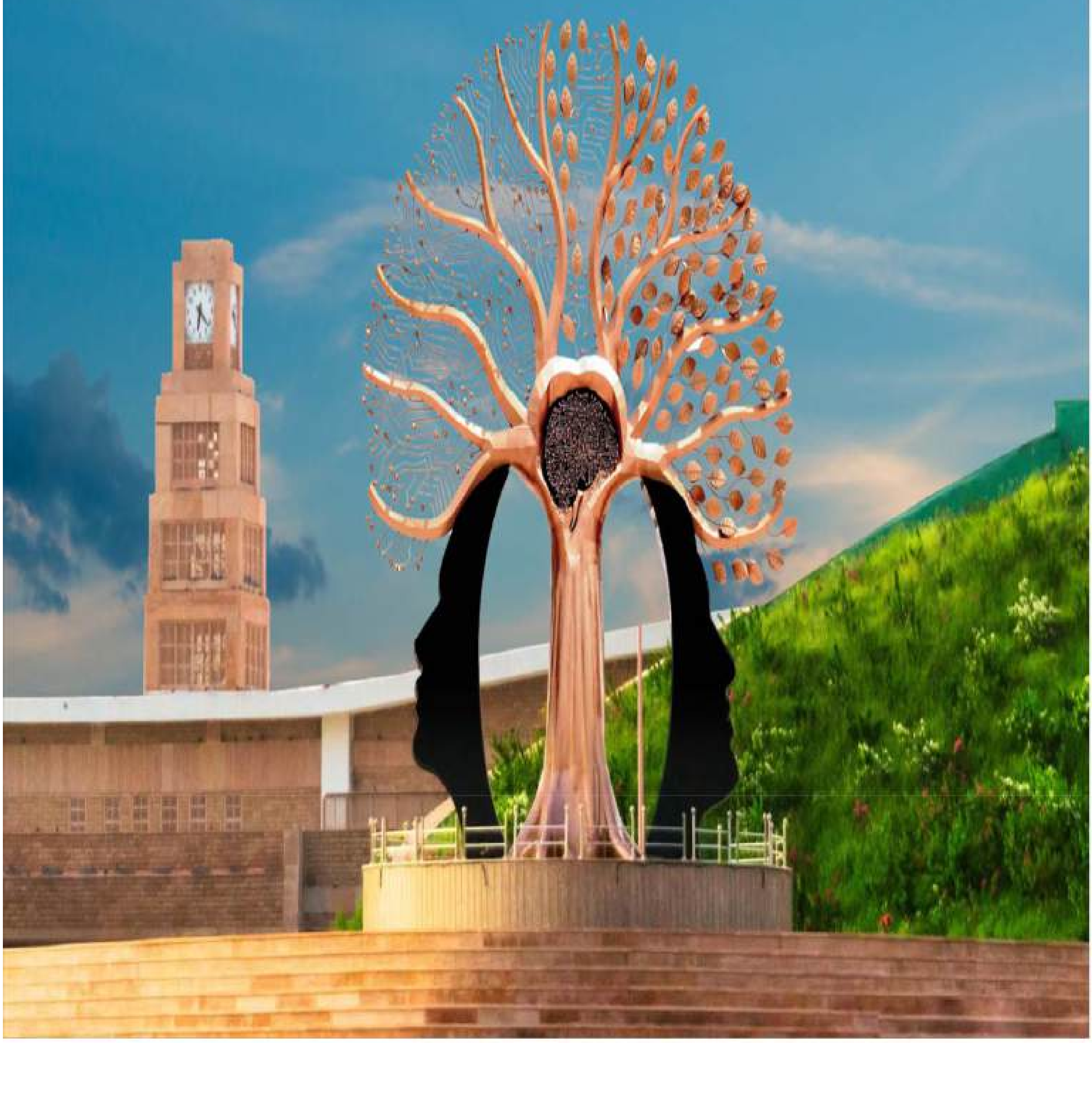

॥ त्वं ज्ञानमयो विज्ञानमयोऽसि ॥

भारतीय प्रौद्योगिकी

अस्वीकार्य

इस दस्तावेज में प्रस्तुत सामग्री को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के पास मौजूद स्पष्ट प्रकाशन अधिकारों के अनुसार तैयार और संकलित किया गया है। यह दस्तावेज व्यक्तियों और संस्थानों द्वारा इसकी सामग्री के प्रति किसी भी पूर्वाग्रह या निर्णय के बिना शुद्ध शैक्षणिक उपयोग के लिए है। संकलक, संपादक और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर इस दस्तावेज में निहित सामग्री के उपयोग से उत्पन्न होने वाली किसी भी प्रत्यक्ष, आकस्मिक या परिणामी गलत व्याख्या के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे। साथ ही, तस्वीरों सहित इस दस्तावेज में प्रस्तुत सामग्री संस्थान की संपत्ति है और संस्थान के अधिकारियों की लिखित अनुमति के बिना पुनः प्रस्तुत नहीं की जा सकती है।

फोटो क्रेडिट
संस्थान प्रकाशन समिति © भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, जून 2024

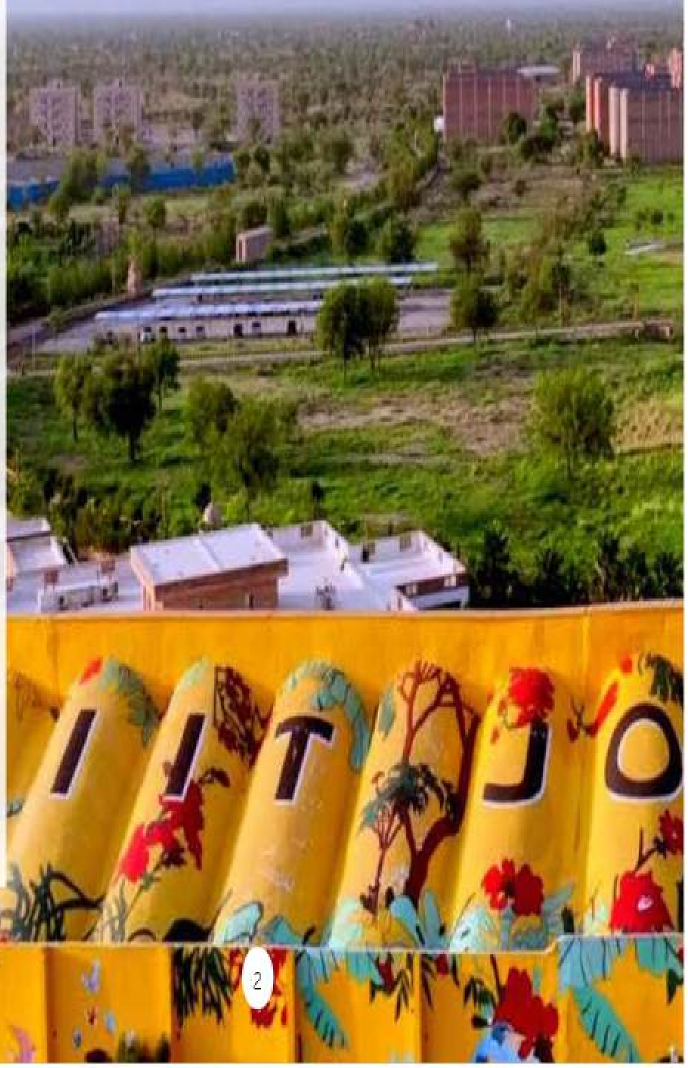

संस्थान जोधपुर

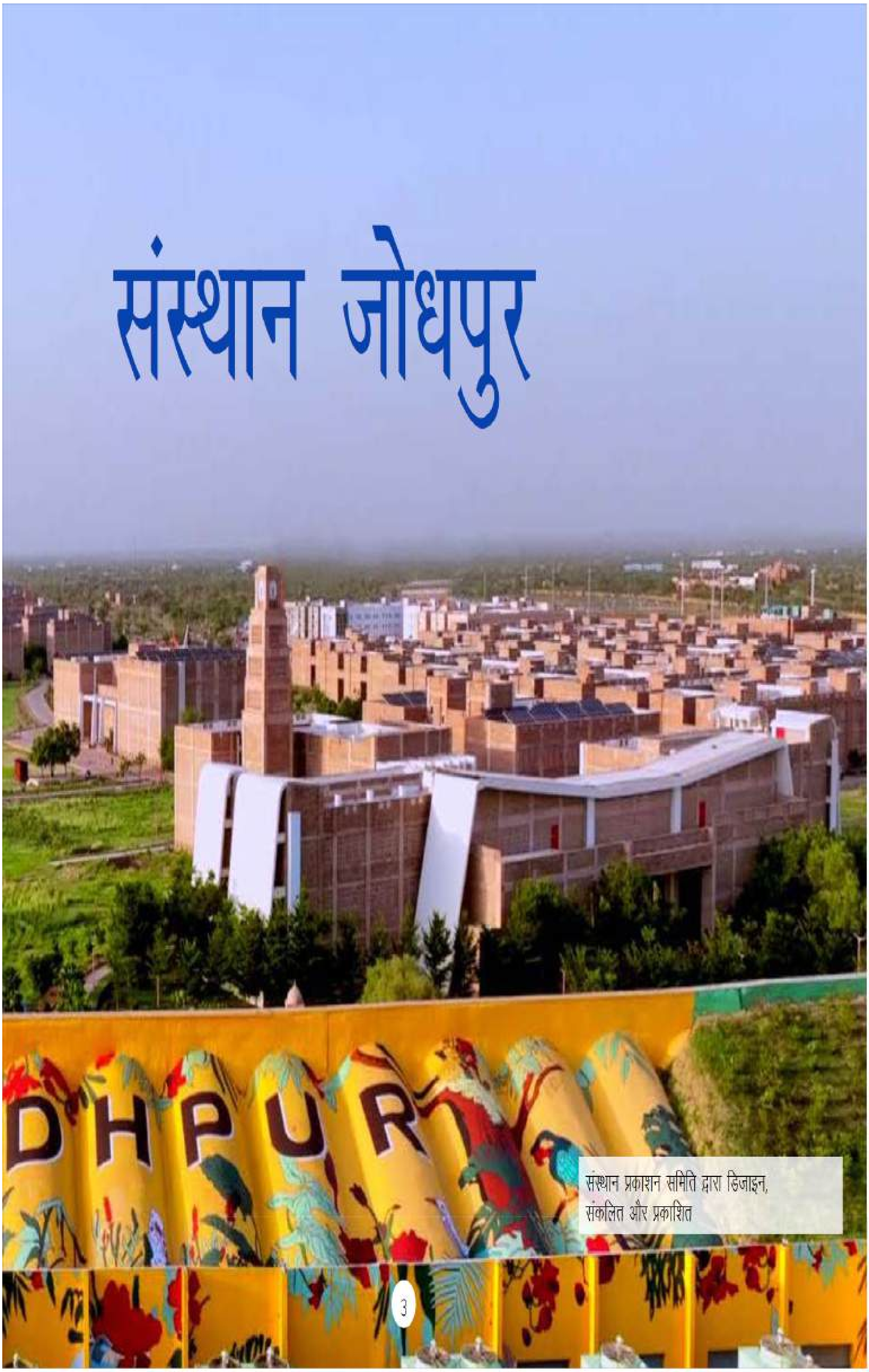

संस्थान प्रकाशन समिति द्वारा डिजाइन,
संकलित और प्रकाशित

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर – आपकी पसंद का गंतव्य

भारत के सबसे जीवंत राज्यों में से एक, 'राजस्थान' में स्थित, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर का स्थायी परिसर, राष्ट्रीय राजमार्ग 62 पर शहर के केंद्र से 25 किलोमीटर दूर नागौर रोड़ पर स्थित है। लगभग 852 एकड़ के क्षेत्र में फैले इस संस्थान में एक अत्याधुनिक आवासीय परिसर भी शामिल है। इस पूरे परिसर को इस परिकल्पना के साथ निर्मित किया गया है कि आने वाले समय में यह विश्व स्तरीय शिक्षा के क्षेत्र में एक अनूठे प्रतीक के रूप में स्थापित हो। परिसर में स्वच्छ हवा के साथ साथ काफी खुली जगह भी है। पैदल चलने और साइकिल चलाने के लिए अलग से मार्ग बनाए गये हैं। इसके अलावा यहां आउटडोर और इनडोर खेलों के लिए एक विशाल खेल परिसर भी है जो छात्रों, संकाय, कर्मचारियों और उनके परिवारों सहित परिसर के सभी निवासियों को अनूठा अनुभव प्रदान करता है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर परिसर को भारत में सर्वश्रेष्ठ नियोजित तकनीकी संस्थान परिसरों में से एक होने का गौरव प्राप्त है, जो ऊर्जा, जल और अपशिष्ट के लिए नेट जीरो रणनीतियों के साथ स्थिरता का एक अंतर्राष्ट्रीय उदाहरण है।

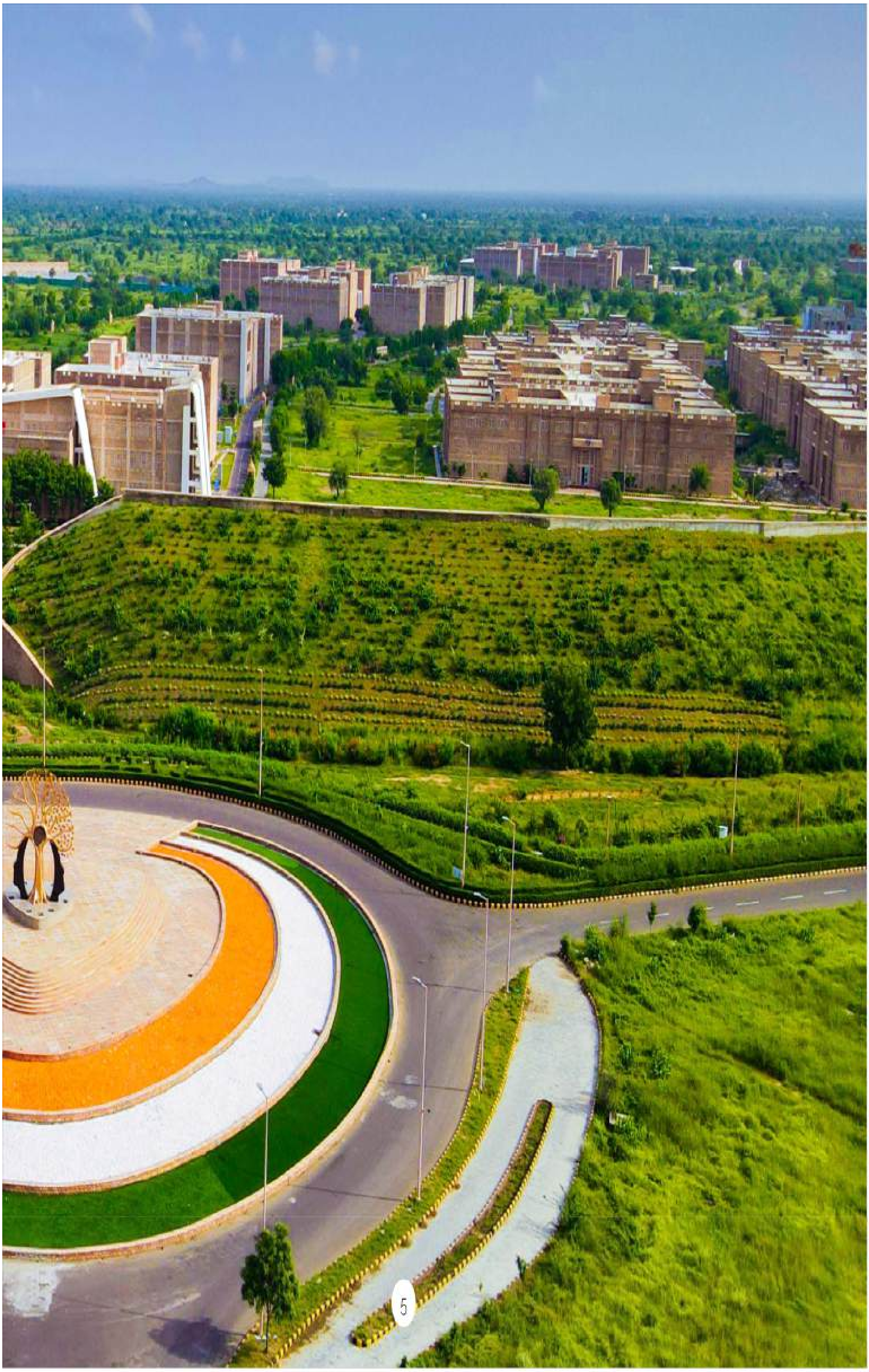

शोध कार्यक्रम

पीएच.डी.

विभाग

- जैव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी
- रसायन विज्ञान
- रसायन अभियान्त्रिकी
- सिविल एवं इंफ्रास्ट्रक्चर प्रौद्योगिकी
- कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी
- विद्युत अभियांत्रिकी
- गणित
- धातुकर्म और सामग्री प्रौद्योगिकी
- यांत्रिक अभियांत्रिकी
- भौतिक विज्ञान

इंटर डिसिप्लिनरी रिसर्च प्लेटफॉर्म (आईडीआरपी)

- रोबोटिक्स और मोबिलिटी सिस्टम
- डिजिटल मानविकी
- स्मार्ट हेल्थकेयर
- आईओटी और अनुप्रयोग
- क्वांटम सूचना और संगणना
- अंतरिक्ष विज्ञान प्रौद्योगिकी

स्कूल

- स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप
- स्कूल ऑफ आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस
- स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स
- स्कूल ऑफ डिजाइन

सेंटर

- सेंटर फॉर एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी फॉर एजुकेशन
- सेंटर फॉर इमर्जिंग टेक्नोलॉजीस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट
- सेंटर ऑफ एक्सिलेंस ऑन आर्ट्स एंड डिजिटल इमर्शन

रिसर्च प्रोग्राम द्वारा एम.एस.

- सेंटर ऑफ एक्सिलेंस ऑन आर्ट्स एंड डिजिटल इमर्शन
- सेंटर ऑफ एक्सिलेंस ऑन ब्रेन साइंस एंड एप्लिकेशन
- सेंटर फॉर मैथेमेटिकल एंड कंप्यूटेशनल इकोनॉमिक्स
- सेंटर फॉर एक्सिलेंस इन एआई बेस्ड प्रीसिशन हेल्थकेयर
- सेंटर फॉर इमर्जिंग टेक्नोलॉजीस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट
- सेंटर फॉर टेक्नोलॉजी फोरसाइट एंड पॉलिसी
- इंटेलिजेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर

एस. आर. रंगनाथन लर्निंग हब

पुस्तकालय संस्थान में शिक्षण और शोध गतिविधियों की सुविधा प्रदान करता है। यह ज्ञान संसाधनों के अधिग्रहण, संगठन और प्रसार को सुगम बनाता है और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर समुदाय को पुस्तकालय और सूचना सेवाएं प्रदान करता है। इसमें किताबों, जर्नल संसाधनों और डेटाबेस का समृद्ध और बढ़ता हुआ संग्रह है जो उपयोगकर्ताओं की विभिन्न सूचना आवश्यकताओं को पूरा करता है। पुस्तकालय ऑन–कैंपस और ऑफ–कैंपस दोनों जगहों से निर्बाध सूचना पहुंच प्रदान करता है। अधिकांश जानकारी डिजिटल रूप में है, जिसे संकाय और स्टाफ किसी भी स्थान से, जहां इंटरनेट सुविधा उपलब्ध हो, दूरस्थ रूप से उपयोग कर सकते हैं।

सेंटर फॉर टेक्नोलॉजी फोरसाइट एंड पॉलिसी

सेंटर फॉर एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी फॉर एजुकेशन

प्रोफेसर समीर के. ब्रह्मचारी
अकादमी प्रोफेसर, एसीएसआईआर
जे.सी. बोस राष्ट्रीय फेलो
मुख्य मार्गदर्शक – ओपन सोर्स ड्रग डिस्कवरी
अकादमी प्रोफेसर, एकेडमी ऑफ साइंटफिक एंड इनोवेटिव रिसर्च
वैज्ञानिक और संस्थापक निदेशक, सीएसआईआर–इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी
पूर्व महानिदेशक, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्

पंडित अजॉय चक्रवर्ती, पद्म भूषण पुरस्कार विजेता
वरिष्ठ गुरु और विशेषज्ञ समिति के सदस्य
आईटीसी संगीत अनुसंधान अकादमी

प्रोफेसर आशुतोष शर्मा
इंस्टीट्यूट चेयर प्रोफेसर
आईएनएई विश्वेश्वरैया चेयर प्रोफेसर
समन्वयक, डीएसटी यूनिट ऑन नैनोसाइंस
पर्यावरण विज्ञान और इंजीनियरिंग केंद्र
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर
भारत में विज्ञान/इंजीनियरिंग के लिए राष्ट्रीय अकादमियाँ

एलएचबी टी स्टॉल

शामियाना

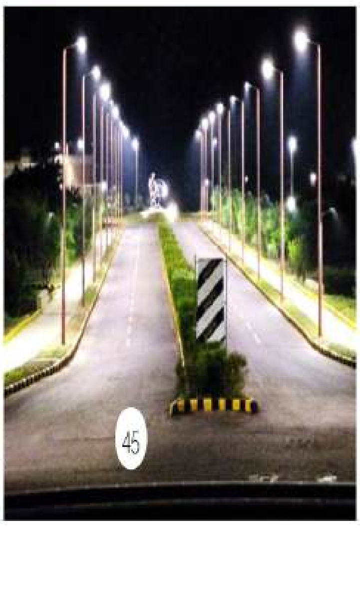

टेक्नोलॉजी इनोवेशन एंड स्टार्ट–अप सेंटर (टीआईएससी)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर टेक्नोलॉजी इनोवेशन एंड स्टार्ट–अप सेंटर (टीआईएससी) एक सेक्शन 8 गैर–लाभकारी कंपनी है, जिसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर द्वारा स्थापित किया गया है। इस केंद्र का उद्देश्य नवाचारी विचारों को स्टार्टअप में परिवर्तित करना और स्टार्टअप्स को लगातार मार्गदर्शन, क्षमता निर्माण, वित्तीय समर्थन और प्रयोगशाला तक पहुँच के माध्यम से विकसित और सफल बनाना है। टीआएससी के पास 10,000 वर्ग फुट का समर्पित को–वर्किंग स्पेस, बायोटेक लैब्स और अन्य सामान्य सुविधाएँ हैं।

विज़न

एक ऐसा वातावरण बनाना जहाँ ज्ञान और नवाचार को सफल उद्यमों के निर्माण में परिवर्तित किया जा सके।

मिशन

नवाचार और ज्ञान–आधारित उद्यमशीलता को पोषित करने और समर्थन करने के लिए एक वातावरण प्रदान करना जिसके परिणामस्वरूप सफ़ल कंपनियों के माध्यम से धन और सामाजिक मूल्य का सृजन हो।

» स्वस्थ जीवनशैली के उद्देश्य से सतत स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना।

» नवाचार के प्रति प्रोत्साहन और नवीन विचारों को बढ़ावा देना।

» युवाओं को नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी देने वाले बनने के लिए प्रोत्साहित करना।

» भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपर के छात्रों, संकायों और पूर्व छात्रों के बीच ज्ञान आधारित और प्रौद्योगिकी आधारित उपक्रमों को बढ़ावा देना।

» युवाओं को दुनिया भर में आयोजित विभिन्न हैकथॉन, चुनौतियों, प्रतियोगिताओं आदि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना।

वर्तमान में हमारे पास 18 इनक्यूबेटर हैं और उन्होंने सामूहिक रूप से 2.75 करोड़ रुपये का निवेश जुटाया है।

» बीआईआरएसी की बायोनेस्ट योजना को 4.45 करोड़ रुपये मजूर किए गए।

» टीआईएससी राजस्थान में बायोनेस्ट की सेवा देने वाला एकमात्र इनक्यूबेटर है।

जोधपुर सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन फाउंडेशन

परिचय

जोधपुर सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन फाउंडेशन (जेसीकेआईएफ), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर द्वारा प्रमोट की गई एक सेक्शन 8 गैर–लाभकारी कंपनी है, जो 31 मार्च, 2021 को स्थापित हुई। इसका उद्देश्य जोधपुर सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन क्लस्टर (जेसीकेआईएफ) की गतिविधियों को संचालित करना और बनाए रखना है। यह क्लस्टर भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार की सिफारिश पर प्रधानमंत्री की विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद की अनुशंसा पर शुरू किया गया है।

जेसीकेआईएफ का मुख्य उद्देश्य जोधपुर और इसके आस–पास के शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान संस्थानों, राष्ट्रीय और राज्य अनुसंधान प्रयोगशालाओं, सरकारी एजेंसियों और उद्योगों के बीच मजबूत संबंध बनाना है। जेसीकेआईएफ निम्नलिखित छह क्षेत्रों में काम कर रहा है:

जेसीकेआईएफ के क्षेत्र

1. मेडिकल टेक्नोलॉजी (मेडटेक)
2. जल और पर्यावरण
3. हस्तशिल्प और हथकरघा
4. आई–गवर्नेंस
5. थार डिजाइन्स
6. एआईओटी इनोवेशन हब

55+ परियोजनाएँ	9+ उत्पाद	10+ विकसित प्रौद्योगिकी	1500+ एचआर विकास	4+ डेटा बैंक
17+ उद्योग साझेदार	22+ शैक्षणिक साझेदार	2 कंप्यूटिंग सेवाएं	15+ शोध प्रकाशन	35+ मानद सदस्य

उद्योगों के साथ जुड़ाव

इनक्यूबेटर्स का समर्थन
छात्र इंटर्नशिप के माध्यम से संयुक्त शोध
परामर्श
व्यावसायिक क्षमता विकास के लिए शैक्षणिक कार्यक्रम
प्रायोजित शोध
विशेष लैब्स और उत्कृष्टता केंद्र
टेक्नोलॉजी पार्क
सीएसआर फंडिंग के माध्यम से समर्थन

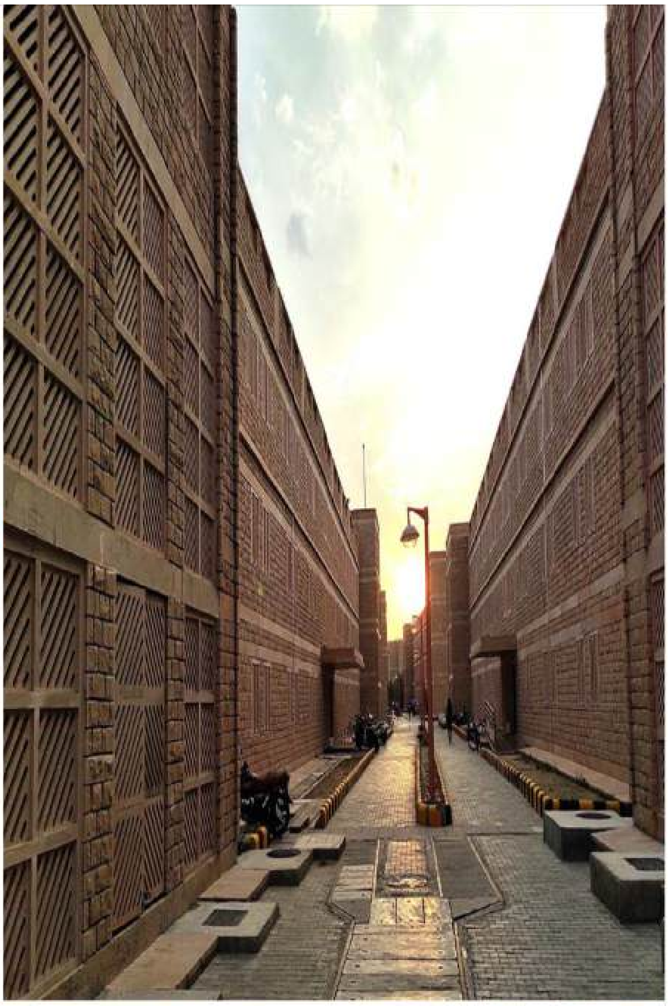

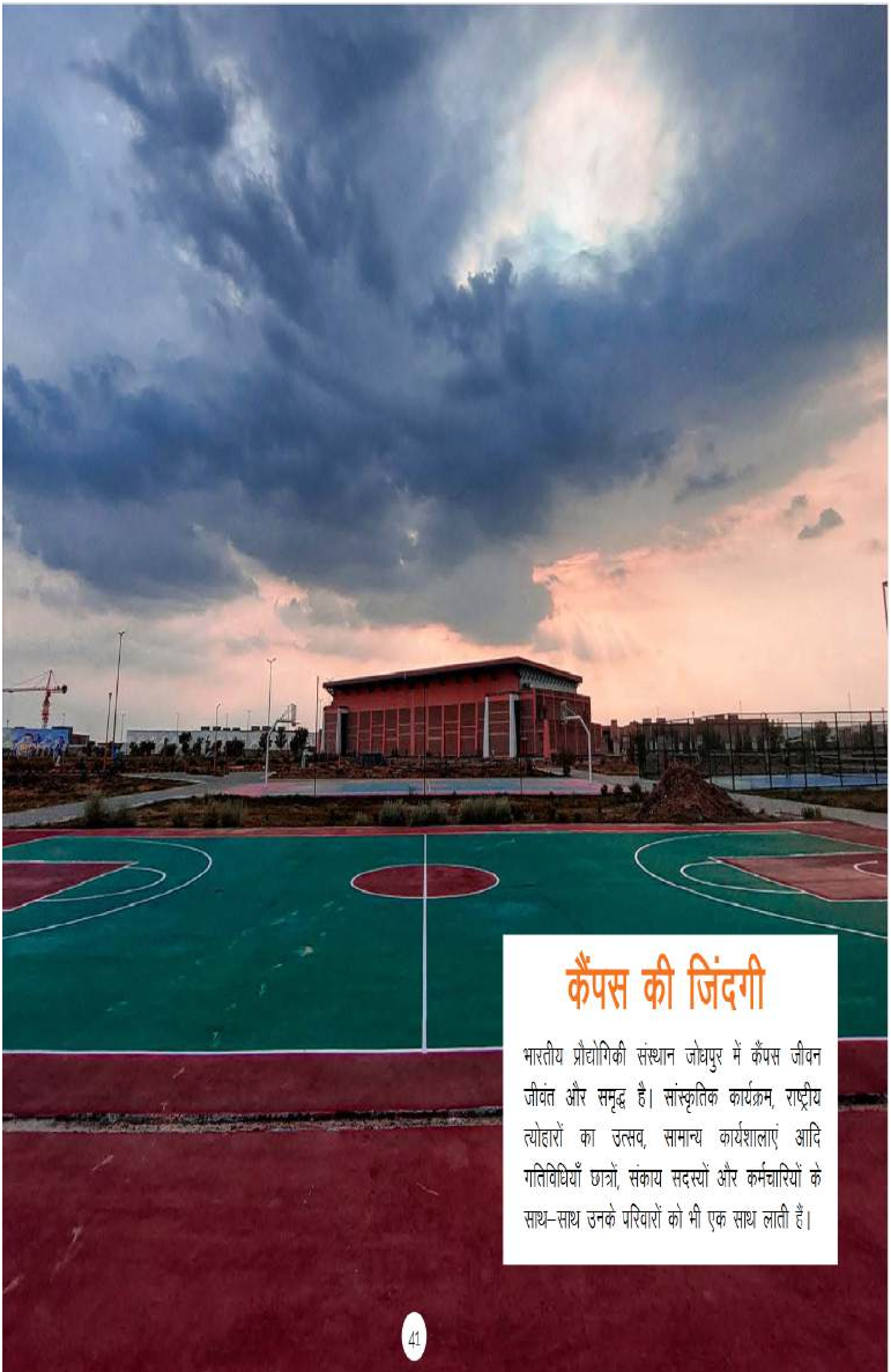

कैंपस की जिंदगी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में कैंपस जीवन जीवंत और समृद्ध है। सांस्कृतिक कार्यक्रम, राष्ट्रीय त्योहारों का उत्सव, सामान्य कार्यशालाएं आदि गतिविधियाँ छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के साथ–साथ उनके परिवारों को भी एक साथ लाती हैं।

सहकार्यता (सरकारी निकाय और उद्योग)

ब्रेन ट्री

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के विशाल परिसर में खड़े होकर आप 'ब्रेन ट्री' को देख सकते हैं। प्रकृति और तकनीक के दो हिस्सों, पुरुष और महिला को दर्शाते हुए यह वास्तव में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर की भावना को दर्शाता है, जो दोनों दुनिया के सर्वश्रेष्ठ को एक साथ मिलाकर काम करता है। 'ब्रेन ट्री', जो प्राकृतिक विज्ञान और तकनीक का प्रतीकात्मक मेल है, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के मुख्य द्वार से गुजरने वाले सभी लोगों का स्वागत करता है। इसकी शाखाओं में एक तरफ पत्तियों का बढ़ता हुआ विकास जीवन और उन्नति को दर्शाता है और दूसरी तरफ न्यूरॉन्स और इलेक्ट्रॉनिक्स तकनीक की प्रगति को दर्शाते हैं। यह पेड़ छात्रों, शिक्षकों और स्टाफ के लिए अपने ज्ञान को बढ़ाने का निरंतर स्रोत है। यह पेड़ सहयोगात्मक लेखन और सामाजिक व्याख्या को भी समर्थन देता है, और यह चेतावनी देता है कि कुछ ज्ञान मानव अधिकार से परे होता है। एक पेड़ की तरह ही, यहां पर छात्र तकनीकी मस्तिष्क के विकास को तो दर्शाते हैं लेकिन दूसरी तरफ मूल्यों में जड़ें भी जमाए रहते हैं और आसमान को छूने का लक्ष्य रखते हैं।

स्नातक कार्यक्रम

नया पाठ्यक्रम : स्वयं डिजाइन करें अपना कार्यक्रम

प्रौद्योगिकी स्नातक कार्यक्रम

- जैव प्रौद्योगिकी
- आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस
- कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी
- रसायन अभियान्त्रिकी
- सिविल एवं इंफ्रास्ट्रक्चर प्रौद्योगिकी
- सामग्री प्रौद्योगिकी
- यांत्रिक अभियांत्रिकी
- विद्युत अभियांत्रिकी

» नया व्यापक–आधारित पाठ्यक्रम।
» ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव के सही संतुलन के साथ लचीला कार्यक्रम।
» अनुभवात्मक सीख के अवसर प्रदान करता है।
» उद्योग की उभरती मांगों को पूरा करता है।
» अंतःविषय क्षेत्रों में तकनीकी क्षमता विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करता है।
» पहले वर्ष से ही डिजाइन सोच और रचनात्मकता पर जोर देता है।
» 8वें सेमेस्टर में उद्यमिता और इंजीनियरिंग नवाचार को आगे बढ़ाने का विकल्प।
» 4 वर्षीय कार्यक्रम के भाग के रूप में लघु, अंतःविषयी और विभागीय क्षेत्र विशेषज्ञता प्रदान करता है।
» छात्र अतिरिक्त क्रेडिट के माध्यम से 4 वर्ष के कार्यक्रम के भीतर डबल बी.टेक. का विकल्प चुन सकते हैं।
» 7वें सेमेस्टर में बी.टेक. को 5 वर्षीय बी.टेक. एम.टेक. दोहरी डिग्री में बदलने का विकल्प।
» उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन में विशेषज्ञता के साथ हाल ही में शुरू किए गए प्रौद्योगिकी–उन्मुख बी.एस. कार्यक्रम।
» बी.एस. कार्यक्रम दोहरी डिग्री के लिए भी अवसर प्रदान करता है।

लघु/ अंतर्विषयक विशेषज्ञताओं को आगे बढ़ाने का विकल्प

1. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ)
2. साइबर फिजिकल सिस्टम (सीपीएस)
3. इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)
4. स्मार्ट हेल्थकेयर
5. प्रबंधन
6. उद्यमिता
7. प्रौद्योगिकी नवाचार

बैचलर ऑफ साइंस कार्यक्रम

- भौतिकी विशेषज्ञता के साथ
- रसायन विज्ञान विशेषज्ञता के साथ

बी.एससी – बी.एड.

- बी.एससी – बी.एड.

बी.एससी/ बी.एस.

- एप्लाइड एआई एंड डेटा साइंस

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

ऋषभ सेंटर फॉर रिसर्च एंड इनोवेशन इन क्लीन एनर्जी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में 'ऋषभ सेंटर फॉर रिसर्च एंड इनोवेशन इन क्लीन एनर्जी' की स्थापना मेसर्स ऋषभ इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड और मेसर्स इवान फाउंडेशन द्वारा सहयोग के माध्यम से की गई। केंद्र आईआईटी जोधपुर में संकाय और शोधकर्ताओं के ज्ञान के आधार का उपयोग करके बुनियादी और व्यवहारिक अनुसंधान की सुविधा प्रदान करेगा और अन्य शैक्षणिक संस्थानों और प्रौद्योगिकी केंद्रों, स्टार्टअप और उद्योगों के साथ भी जुड़ेगा। केंद्र विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के माध्यम से सहयोगी अनुसंधान को सक्षम करेगा और केंद्र के अनुसंधान और प्रौद्योगिकी रोडमैप के अनुसार नई तकनीकों को विकसित करने के लिए अन्य तरीकों का उपयोग करेगा। केंद्र का संबंधित उद्योगों के साथ घनिष्ठ संबंध होगा और प्रौद्योगिकी अनुवाद और उत्पाद विकास के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के मजबूत नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाएगा। केंद्र का ध्यान बुनियादी और/या अनुप्रयुक्त अनुसंधान और नवाचार का संचालन और प्रचार करना, उद्यमशीलता को बढ़ावा देना, स्वच्छ/हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के पहचाने गए क्षेत्रों में स्टार्टअप और एमएसएमई का समर्थन करना होगा।

केंद्र की योजना वर्ष 2023–24 में एम.एस. (शोध द्वारा) छात्रों को प्रवेश देने की है। केंद्र के मुख्य अनुसंधान कार्यक्षेत्र हैं: माइक्रोग्रिड, बिजली की गुणवत्ता और भविष्य के ग्रिड अनुसंधान इलेक्ट्रिक वाहन [आधुनिक युग के ईवी को सीधे चार्ज करने के लिए डीसी सौर ऊर्जा सहित (एसी तंत्र से गुजरे बिना)], थर्मल स्टोरेज के साथ सौर तापीय ईंधन सेल और ऊर्जा स्रोत के रूप में हाइड्रोजन कार्बन जियो सीक्वेस्ट्रेशन की व्यवहार्यता का अध्ययन, कोशिकाओं / बैटरी में सौर ऊर्जा का भंडारण, सौर कोशिकाओं और इनवर्टर की दक्षता में सुधार।

"केंद्र का विजन उद्योगों, स्टार्ट–अप्स और अन्य हितधारकों के साथ घनिष्ठ सहयोग से हरित और स्वच्छ ऊर्जा के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान और उत्पाद/प्रक्रिया विकास के लिए एक वैश्विक गंतव्य बनना है।"

आईहब दृष्टि, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपर एक प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र है जो "कंप्यूटर विजन, ऑगमेंटेड रियलिटी और वर्चुअल रियलिटी" पर केंद्रित है। आईहब दृष्टि फाउंडेशन साइबर–फिजिकल सिस्टम (सीपीएस) प्रौद्योगिकियों में वृद्धि, नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने में सबसे आगे रहा है। अपनी अत्याधुनिक अनुसंधान पहलों और अत्याधुनिक लैब इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ, आईहब दृष्टि तकनीकी प्रगति और अंतःविषय सहयोग का एक प्रतीक बनकर उभरा है।

प्रयोगशाला सुविधाएं

आईहब दृष्टि अत्याधुनिक लैब सुविधाओं के साथ अपने शोध की सुविधा प्रदान करता है। कार्यालय और प्रयोगशाला अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ भाग लेने वाले संस्थानों की सेवा करते हैं। हब ने 3डी अनुप्रयोगों और परिसंपत्तियों के लिए, NVIDIA Omniverse, एक रियल टाइम सहयोगी मंच को तैनात और कमीशन किया है। NVIDIA DGXA100, NVIDIA A100 पर आधारित पहला एआई सिस्टम, भी आईहब दृष्टि में है। यह क्रांतिकारी एआई बुनियादी ढांचा प्रशिक्षण, अनुमान और विश्लेषण को अद्वितीय कंप्यूटेशनल घनत्व, प्रदर्शन और लचीलेपन के साथ एकीकृत करता है।

एआर–वीआर अनुप्रयोग	इंडस्ट्री 4.0 के लिए कंप्यूटर विजन–आधारित समाधान	बायोस्फीयर के लिए कंप्यूटर विजन–आधारित समाधान
कौशल विकास	स्वायत्त प्रणालियों के लिए कंप्यूटर विजन–आधारित समाधान	स्वास्थ्य सेवा के लिए कंप्यूटर विजन–आधारित समाधान

सहकार्यता (शैक्षणिक संस्थान)

संस्थान अपनी शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के कई संस्थानों और संगठनों के साथ सहकार्यता करता है, जिसमें शैक्षणिक पाठ्यक्रमों, परियोजनाओं, प्रकाशनों, प्रौद्योगिकी विकास सहित संयुक्त शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियाँ शामिल हैं।

IGNUS

HIP HOP
DANCE
CHAMPIONSHIP
2024

चिकित्सा प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों पर संयुक्त कार्यक्रम

परास्नातक, परास्नातक–पीएचडी और पीएचडी

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर को राष्ट्र को समर्पित करते हुए चिकित्सा प्रौद्योगिकी का उल्लेख किया।

यह केंद्र चिकित्सा प्रौद्योगिकियों में डीप–टेक नवाचार का केंद्र होगा जो वैश्विक और स्थानीय स्वास्थ्य और सामाजिक–आर्थिक विकास को प्रभावित करेगा।

> एम्स जोधपुर और आईआई.टी जोधपुर सिर्फ राजस्थान के लिए ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए प्रमुख संस्थान बन रहे हैं। साथ मिलकर वे रोबोटिक सर्जरी जैसी चिकित्सा तकनीकों में नई संभावनाओं की खोज कर रहे हैं और चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा दे रहे हैं।

चिकित्सा प्रौद्योगिकी संयुक्त कार्यक्रमों के परिणाम:

- 8 छात्र–संकाय नेतृत्व वाले स्टार्टअप
- 3 स्टार्टअप ने अनुदान और निवेशकों से ≥ 50 लाख– 1 करोड़ जुटाए हैं
- 4 बीआईआरएसी-बीआईजी अनुदान
- 7 एमएसएमई अनुदान, लगभग 15 लाख प्रत्येकध्वर्ष अवधि
- 8 डीबीटी बायोडिजाइन फेला, डीप टेक स्टार्टअप आइडिया को विकसित करने के लिए 60,000 प्रति माह वर्ष
- 7 ने महत्वपूर्ण नकद पुरस्कारों के साथ मेडटेक हैकथॉन जीते
- 5 शोध प्रकाशन, 8 पेटेंट दाखिल अनुदानित
- पीएचडी के लिए 2 प्रधानमंत्री अनुसंधान फेलो

कुछ प्रमुख स्टार्टअप्स

सर्बित इनोवेशन्स प्रा. लि.

हीलयंत्र मेडिकल टेक्नोलॉजीस प्रा. लि.

सेलवर्स प्रा. लि.

वन्यजीवन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर परिसर कई प्रकार की स्थानीय वनस्पतियों और जीवों का घर है। यहाँ काले हिरण, चिंकारा, नीलगाय, सियार, सांप और ऐतिहासिक खेजड़ी के पेड़ पाए जाते हैं।

स्कॉलर्स इन–रेजिडेंस

डॉ. शेखर चौधरी

पूर्व निदेशक, आईआईएम कलकत्ता

पूर्व प्रोफेसर, आईआईएमए

पूर्व डीन, विनोद गुप्ता स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, आईआईटी खड़गपुर

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप, नादर यूनिवर्सिटी के संस्थापक निदेशक

डॉ. कौशिक बसु

सी. मार्क्स प्रोफेसर, कॉर्नेल यूनिवर्सिटी

अध्यक्ष, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संघ (वर्तमान)

कॉर्नेल यूनिवर्सिटी में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर और सी. मार्क्स प्रोफेसर

विश्व बैंक में मुख्य अर्थशास्त्री और वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत रहे

भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में कार्यरत रहे

दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, हार्वर्ड, प्रिंसटन और एमआईटी में अध्यापन किया

इकोनोमेट्रिक सोसाइटी के फेलो

पद्म भूषण से सम्मानित

प्रोफेसर संकर के. पाल

आईएनएसए विशिष्ट प्रोफेसर, आईएसआई एमेरिटस, प्रोफेसर और आईएसआई कोलकाता के पूर्व निदेशक

फजी न्यूरल नेटवर्क, सॉफ्ट कंप्यूटिंग, और मशीन इंटेलिजेंस में विशेषज्ञ

पद्म श्री 2013

लाइफटाइम अचीवमेंट के लिए भारत के प्रधानमंत्री द्वारा महालनोबिस जन्म शताब्दी स्वर्ण पदक विजेता

ईरान के राष्ट्रपति द्वारा ख्वारिज़्मी अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार, 2000

विक्रम साराभाई अनुसंधान पुरस्कार, 1993

शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार, 1990

लाइफ फेलो ऑफ आईईईई

द वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंसेज (TWAS), इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर पैटर्न रिकग्निशन, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ फजी सिस्टम्स, इंटरनेशनल रफ सेट सोसाइटी और भारत की सभी चार राष्ट्रीय विज्ञानइंजीनियरिंग अकादमियों के फेलो

प्रोफेसर देवांग वी. खाखर

विशिष्ट प्रोफेसर और पूर्व निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे

पॉलीमर विज्ञान में विशेषज्ञ

एचएच माथुर अवॉर्ड फॉर एप्लाइड साइंसेज, आईआईटी बॉम्बे, 2005

मिलेनियम गोल्ड मेडल, इंडियन साइंस कांग्रेस, 2000

हर्डीलिया पुरस्कार, भारतीय रासाय. निक अभियंता संस्थान, 1999

शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार, 1997

अमर डाईकेम पुरस्कार, भारतीय रासायनिक अभियंता संस्थान, 1993

स्वर्णजयंती फैलोशिप, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 1998

भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के फेलो

एएनवीआईएसए (एक नवीन नवाचार स्थल)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर गर्व के साथ प्रस्तुत करता है अपनी अत्याधुनिक टिंकरिंग लैब: एएनवीआईएसए (एक नवीन नवाचार स्थल), जो विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता में नवाचारपूर्ण विचारों को पोषित करने के लिए समर्पित है। यह लैब अकादमिक और सह–पाठ्यक्रम गतिविधि परिषद द्वारा समर्थित है।

यहां इस अद्भुत लैब की कुछ झलकियां प्रदर्शित की गई हैं।

स्कूल

- स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप
- स्कूल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा साइंस
- स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स
- स्कूल ऑफ डिजाइन

इंटर डिसिप्लिनरी रिसर्च प्लेटफॉर्म (आईडीआरपी)

- रोबोटिक्स और मोबिलिटी सिस्टम
- डिजिटल मानविकी
- स्मार्ट हेल्थकेयर
- आईओटी और अनुप्रयोग
- क्वांटम सूचना और संगणना
- अंतरिक्ष विज्ञान प्रौद्योगिकी

केंद्र

- सेंटर फॉर एक्सीलेंस ऑन आर्ट एंड डिजिटल इमर्शन
- रिषभ सेंटर फॉर रिसर्च एंड इनोवेशन इन क्लीन एनर्जी
- सेंटर फॉर टेक्नोलॉजी फोरसाइट एंड पॉलिसी
- सेंटर फॉर इमर्जिंग टेक्नोलॉजीस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट
- सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन ब्रेन साइंस एंड एप्लीकेशन
- सेंटर फॉर मैथेमेटिकल एंड कम्प्यूटेशनल इकोनॉमिक्स
- सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन एआई बेस्ड प्रिसीशन हेल्थकेयर

स्नातकोत्तर कार्यक्रम

तैयारी आविष्कार और नवाचार की

एम.एससी. कार्यक्रम

विज्ञान
- रसायन विज्ञान
- गणित
- भौतिक विज्ञान

सामाजिक विज्ञान
- डिजिटल मानविकी
- कम्प्यूटेशनल सामाजिक विज्ञान

एमबीए
- बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
- फिनटेक एंड साइबर सिक्योरिटी

मेडिकल टेक्नोलॉजी
- मेडिकल टेक्नोलॉजी
- मास्टर–पीएचडी इन मेडिकल टेक्नोलॉजी

सर्टिफिकेट प्रोग्राम
- डेटा एनालिटिक्स
- जलवायु परिवर्तन और सस्टेनिबिलिटी
- मशीन लर्निंग और आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस

एम.एससी. – एम.टेक. दोहरी डिग्री कार्यक्रम
- गणित और डेटा कम्प्यूटेशनल विज्ञान
- रसायन विज्ञान और सामग्री प्रौद्योगिकी
- भौतिकी एवं सामग्री प्रौद्योगिकी

विधि एवं प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर
- विधि एवं प्रौद्योगिकी

ज्ञान का एक मजबूत आधार तैयार करें, शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करें और बौद्धिक रूप से प्रेरक वातावरण में रचनात्मकता को बढ़ाएं

नए क्षेत्रों में भविष्य की सफलताओं के लिए वैज्ञानिक तर्क और विश्लेषणात्मक समस्या समाधान कौशल का विकास

अकादमिक कठोरता और नवीनता प्रदान करना, न कि अत्यधिक विशेषज्ञता, बल्कि सूक्ष्म विशेषज्ञता के साथ लचीलापन और व्यापक ज्ञान प्रदान करना

मास्टर ऑफ डिजाइन (एम.डेस)
- मास्टर ऑफ डिजाइन

एमएस(आर) पीएच.डी.
- खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

सेंटर फॉर सस्टेनेबल ड्रिंकिंग वॉटर सोर्सेज

आईआईटीजे–जेजेएम सस्टेनेबल ड्रिंकिंग वॉटर की स्थापना भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर और भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के जल जीवन मिशन के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास के माध्यम से की गई थी। आईआईटीजे–जेजेएम जल शक्ति मंत्रालय और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर देश में पानी से जुड़ी मुश्किल समस्याओं का समाधान निकालने के लिए लगातार काम कर रहा है। ये सामूहिक प्रयास एक साझा दृष्टिकोण से प्रेरित हैं: यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर नागरिक को स्वच्छ, सुरक्षित और विश्वसनीय पेयजल उपलब्ध हो। आईआईटीजे–जेजेएम इस बहुमूल्य संसाधन की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आईआईटीजे–जेजेएम निम्नलिखित गतिविधियों में संलग्न है:

- जल स्रोत स्थिरता पर राष्ट्रीय दिशा–निर्देश स्थापित करना।
- पेयजल स्रोतों की स्थिरता पर प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
- स्रोत स्थिरता के लिए ग्रेवाटर प्रबंधन।
- शुष्क क्षेत्रों में स्रोत स्थिरता के लिए उन्नत विलवणीकरण पद्धति का डिजाइन और विकास।
- जल आपूर्ति मुद्दों को हल करने के लिए राज्यों को तकनीकी सहायता।
- शिक्षा, अनुसंधान, उद्योग आदि में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सहयोग।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन आर्ट एंड डिजिटल इमर्शन (एडीआइ)

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन आर्ट एंड डिजिटल इमर्शन, स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स (एसओएलए) का पहला केंद्र है। इसे कला और उभरती डिजिटल प्रौद्योगिकी के बीच के अंतरसंबंधों की खोज करते हुए उनके गहन अनुभवों को बढ़ाने वाले भविष्य के शोध केंद्र के रूप में देखा जाता है। 19 सितंबर 2022 को, इस उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर शांतनु चौधरी, प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक पद्मभूषण पंडित अजॉय चक्रवर्ती और प्रख्यात वैज्ञानिक और भटनागर पुरस्कार विजेता प्रोफेसर आशुतोष शर्मा (सी.वी. शेषाद्रि चेयर प्रोफेसर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, अध्यक्ष, आईएनएसए और पूर्व सचिव, डीएसटी) द्वारा किया गया। स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स ने प्रोफेसर चंदा चक्रवर्ती को एडीआई पर सीओई के समन्वय का जिम्मा सौंपा है। केंद्र ने हाल ही में अपना प्रमुख कार्यक्रम एमएस (शोध के द्वारा) लॉन्च किया है, जिसमें दो विशेषज्ञताएं हैं, एआई और क्रिएटिव आर्ट्स और मिक्स्ड–मीडिया आर्ट्स। यह लचीला, अंतःविषयक, भविष्योन्मुखी और सहयोगात्मक कार्यक्रम भारत में अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है।

एडीआई का उद्घाटन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर शांतनु चौधरी,

महान हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक पद्मभूषण पंडित अजॉय चक्रवर्ती, और प्रख्यात वैज्ञानिक और भटनागर पुरस्कार विजेता प्रोफेसर आशुतोष शर्मा (सी. वी. शेषाद्रि चेयर प्रोफेसर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुरय अध्यक्ष, आईएनएसएय और पूर्व सचिव, डीएसटी) द्वारा किया गया।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन एआई एंड डेटा साइंस

आईआईटी जोधपुर और यूनिवर्सिटी ऑफ बफेलो ने 19 मार्च 2023 को "सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन एआई एंड डेटा साइंस" की स्थापना के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

संयुक्त केंद्र की गतिविधियों में शामिल हैं:

- छात्रों और शोधकर्ताओं का आदान–प्रदान
- सहयोगी शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समन्वय
- संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं और विनिमय यात्राओं के लिए आईआईटी जोधपुर और यूबी द्वारा संबंधित टीमों को आंतरिक समर्थन
- विद्वानों और शैक्षणिक सामग्रियों का आदान–प्रदान
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्रोतों से अनुसंधान निधि के लिए आवेदन करने में सहयोग
- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और विषयगत कार्यशालाओं का सह–आयोजन
- टिकाऊ संयुक्त केंद्र सुनिश्चित करने के लिए उद्योग, निजी फाउंडेशन और पूर्व छात्रों से समर्थन प्राप्त करने में सहयोग

सेंटर फॉर एडवांस्ड सिक्योरिटी टेक्नोलॉजी डेवेलेपमेंट इन सीपीएस

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में सेंटर फॉर एडवांस्ड सिक्योरिटी टेक्नोलॉजी डेवेलेपमेंट इन साइबर फिजिकल सिस्टम (सीपीएस) की स्थापना के लिए 5.91 करोड़ रुपये का समर्थन किया है। यह केंद्र मार्च 2022 में शुरु हुआ।

केंद्र के उद्देश्य हैं:

» साइबर फिजिकल सिस्टम (सीपीएस) की सुरक्षा में विशेषज्ञता विकसित करना और लोगों को प्रशिक्षित करना।

» एजेंसियों को तकनीकी जानकारी प्रदान करना।

» इन बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए:

- जल वितरण नेटवर्क (पीएलसी और एससीएडीए की सुरक्षा)
- वाहन यातायात और वाहन नेटवर्क (अंतर–वाहन संचार की सुरक्षा)
- मल्टीएजेंट सिस्टम (रोबोट, यूएवी का समूह और आपदा प्रबंधन में उनके अनुप्रयोग)

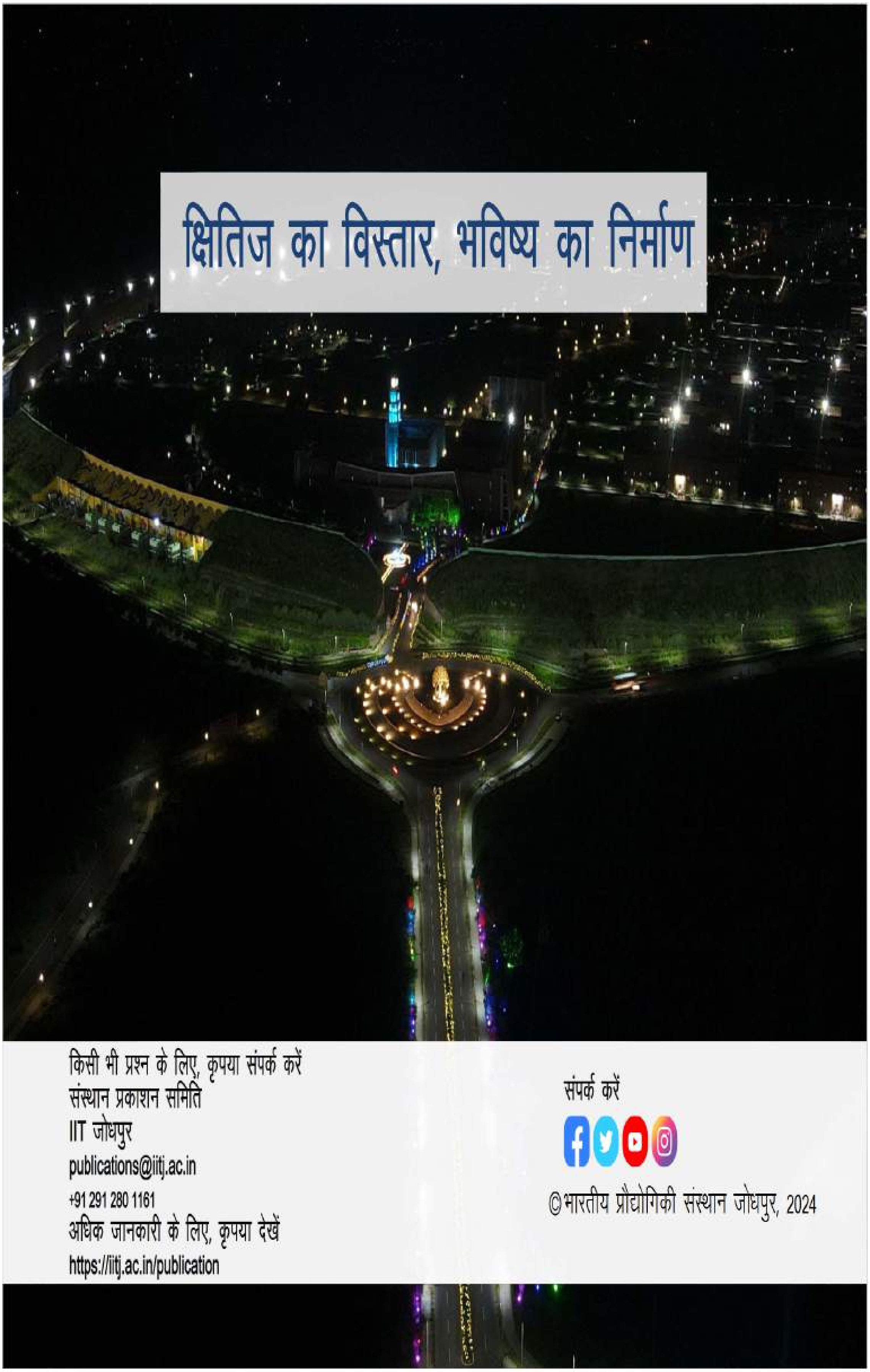

क्षितिज का विस्तार, भविष्य का निर्माण

किसी भी प्रश्न के लिए, कृपया संपर्क करें
संस्थान प्रकाशन समिति
IIT जोधपुर
publications@iitj.ac.in
+91 291 280 1161
अधिक जानकारी के लिए, कृपया देखें
https://iitj.ac.in/publication

संपर्क करें

©भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, 2024

सेंटर फॉर रिसर्च एंड डेवलेपमेंट ऑफ साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंटेशन (सीआरडीएसआई)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में सेंटर फॉर रिसर्च एंड डेवलेपमेंट ऑफ साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंटेशन (सीआरडीएसआई) शोधकर्ताओं को बहुविषयक अनुसंधान के लिए उच्च–स्तरीय उपकरणों तक पहुँच प्रदान करता है। यह भारत सरकार के आई – एसटीईएम पोर्टल पर पंजीकृत है और देश भर के उपयोगकर्ताओं के लिए एक बाहरी बुकिंग प्रणाली का प्रबंधन करता है।

फ्लोरोसेंस – एक्टिवेटेड सेल सॉर्टिंग
बीडी– बायोसाइंसेज डिस्कवर एस8

पाउडर XRD
माल्वर्न पैनालिटिकल

ईडी– एक्स रे फ्लोरेसेंस
मालवर्न पैनालिटिकल – एप्सिलॉन 4

इंडक्टिवली कपल्ड प्लाज्मा मास स्पेक्ट्रोमीटर
एगिलेंट टेक्नोलॉजीज–7580

डायनेमिक लाइट स्कैटरिंग
मालवर्न– जेटासाइजर प्रो

अत्याधुनिक शिक्षण उपकरण

पूरी तरह सुसज्जित व्याख्यान कक्ष मिश्रित शिक्षण पद्धति की सुविधा प्रदान करता है और लगभग 1500 छात्रों की कक्षा निर्देश आवश्यकता को पूरा करता है, जिसमें 320 और 625 सीटों की क्षमता वाले दो बड़े व्याख्यान कक्ष शामिल हैं।

इसके अलावा प्रत्येक विभाग भवन में भी अपनी अच्छी तरह से सुसज्जित कक्षाएँ और शिक्षण प्रयोगशालाएँ हैं। व्याख्यान कक्ष परिसर और विभागों दोनों की अधिकांश कक्षाएँ अत्याधुनिक डिजिटल तकनीकों से सुसज्जित हैं, जिससे शिक्षण के हाइब्रिड मोड की सुविधा देती हैं।

ग्रॉसरी शॉप

बैंक
SBI ATM
SBI

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर

कैंपस प्लेसमेंट 2023-24

470+ ऑफर्स

270+ कंपनियां

स्नातक

- 51 लाख — अधिकतम पैकेज
- 17 लाख — औसत पैकेज

परास्नातक

- 24 लाख — अधिकतम पैकेज
- 11 लाख — औसत पैकेज

हमारे कैंपस भर्तीकर्ता

Paytm, Graviton, Deloitte, ICICI Bank, Samsung, ValueServe, Flipkart, Warner Bros. Discovery, Google, Trilogy, Rakuten Mobile, Infosys, Confluent, SMS DataTech, PepsiCo, Reliance, Publicis Sapient, Jio, Blend360, Autodesk, Tata Power, HCL, Intel, PayPal, EXL, Accenture, Microsoft, Media.net, TCS, D. E. Shaw & Co, Adobe, Oracle, Zomato, American Express

हमारे संकाय सदस्य

264
कुल संकाय सदस्य

147
सहायक आचार्य

62
सह-आचार्य

38
आचार्य

03
युवा संकाय सहयोगी

03
प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस

09
विज़िटिंग आचार्य

02
विशिष्ट आचार्य

वर्तमान अनुसंधान के मुख्य क्षेत्र

स्नातकोत्तर कार्यक्रम
तैयारी आविष्कार और नवाचार की

एम.टेक. और एम.टेक. – पीएच.डी. दोहरी डिग्री एकीकृत कार्यक्रम

जैव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी	मैकेनिकल डिजाइन	उन्नत विनिर्माण और यांत्रिक डिजाइन	
संचार और सिग्नल प्रोसेसिंग	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस	थर्मोफ्लुइड्स प्रौद्योगिकी	क्वान्टम प्रौद्योगिकी
विधि एवं प्रौद्योगिकी	साइबर फिजिकल सिस्टम	इंटेलिजेंट कम्युनिकेशन सिस्टम्स	संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता (एआर और वीआर)
पर्यावरण प्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रौद्योगिकी	सेंसर और इंटरनेट ऑफ थिंग्स	चिकित्सा प्रौद्योगिकी	रसायन अभियान्त्रिकी
कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी	उन्नत विनिर्माण	रोबोटिक्स और मोबिलिटी सिस्टम	ऊर्जा में विशेषज्ञता के साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रौद्योगिकी
डेटा प्रौद्योगिकी	डेटा और कम्प्यूटेशनल विज्ञान	इंटेलिजेंट वीएलएसआई सिस्टम्स	सामग्री प्रौद्योगिकी

एडवांस मैन्युफैक्चरिंग और मैकेनिकल डिजाइन एम.टेक.– पीएच.डी. दोहरी डिग्री एकीकृत

मेडिकल टेक्नोलॉजीज मास्टर–पीएच. डी. ड्यूल डिग्री

एआईओटी इनोवेशन हब

यह हब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के टेक्नोलॉजी पार्क के साथ-साथ डिजाइन, विकास, प्रोटोटाइप और संपूर्ण प्रक्रिया के लिए सुविधाओं के साथ एक स्थायी और उन्नत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का लक्ष्य रखता है।

– यह केंद्र "सेंसर आधारित" दृष्टिकोण के बजाय "सिस्टम आधारित" दृष्टिकोण के साथ काम करता है।

– सभी विकास "एंड इन माइंड" दृष्टिकोण से शुरू होते हैं जो उपयोग-मामले से प्रेरित होते हैं।

– सिस्टम का विकास डिजाइन और विकास के दौरान एआई और आईओटी सिद्धांतों का लाभ उठाता है, बजाय इसके कि मौजूदा चीजों में सुधार किया जाए।

– अनुसंधान और विकास का मुख्य उद्देश्य व्यावसायिक सफलता की ओर ले जाने वाले अनुवादात्मक अनुसंधान करना है।

– भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में प्रस्तावित इनोवेशन हब के लिए निम्नलिखित मुख्य भिन्नताएं हैं:

"सेंसर आधारित" दृष्टिकोण के बजाय "सिस्टम आधारित" दृष्टिकोण।

"एंड इन माइंड" दृष्टिकोण से शुरूआत _ उपयोग-मामले से प्रेरित दृष्टिकोण।

डिजाइन और विकास के दौरान एआई और आईओटी सिद्धांतों का लाभ उठाने के बजाय मौजूदा चीजों में सुधार किया जाए।

व्यावसायिक सफलता में अनुसंधान का अनुवाद मुख्य सफलता संकेतक है।